विभाग के संस्थापक

प्रो. उमा चक्रवर्ती

डॉ. उमा चक्रवर्ती भारतीय नारीवादी इतिहासकार के रूप में सुविख्यात और स्त्री अध्ययन की अकादमिकी की प्रमुख हस्ताक्षर हैं। नई दिल्ली के मिरांडा हाउस में अध्यापन कार्य कर चुकीं प्रो. उमा चक्रवर्ती की सोशल डाइमेंशंस ऑफ अर्ली बुद्धिज्म, रिराईटिंग हिस्ट्री, जेंडरिंग कास्ट थ्रू ए फेमिनिस्ट लेंस आदि सहित कई अन्य महत्त्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित हैं। महिला आंदोलन से भी आपका लंबे समय से जुड़ाव रहा है। दक्षिण एशिया में स्त्री-अध्ययन के विभागों की स्थापना के जरिए इसके अकादमिक विकास में इनकी सक्रिय भूमिका रही है।

प्रो. कुमकुम राय

भारत के प्राचीन इतिहास को जेंडर दृष्टिकोण से पुनर्व्याख्यायित करते हुए एक नए महिला-इतिहास की वैचारिकी गढ़ने में प्रो. कुमकुम रॉय की अहम भूमिका रही है। फिलहाल जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अध्यापनरत प्रो. रॉय वहाँ के वीमेन्स स्टडीज़ सेंटर की निदेशक भी रह चुकी हैं। 'द पॉवर ऑफ जेंडर एंड द जेंडर ऑफ पॉवर : एक्सप्लोरेशन्स इन अर्ली इंडियन हिस्ट्री' इनकी एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। वर्तमान में प्रो रॉय मध्यकालीन संस्कृत ग्रंथों में विशेष रूप से जेंडर और हाशिए के लोगों के प्रस्तुतीकरण पर केंद्रित शोध कार्य कर रही हैं।

प्रो. इंदु अग्निहोत्री

डॉ. इंदु अग्निहोत्री महिला एवं विकास अध्ययन केंद्र (सीडबल्यूडीएस), नई दिल्ली की निदेशक हैं। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में इतिहास की विद्यार्थी रही डॉ. अग्निहोत्री ने स्त्री-अध्ययन को अकादमिक स्वरूप देने और महिला आंदोलन के साथ उसके जुड़ाव को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 'ग्लोबलाइजेशन, रेजिस्टेंस एंड चेंज' और 'वीमेंस मूवमेंट एंड गवर्नमेंट : इश्यूज एंड चैलेंजेज' उनकी दो महत्त्वपूर्ण पुस्तकें हैं. इसके अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा, महिला आंदोलन, महिला विकास से जुड़े विविध पहलुओं पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पत्र-पत्रिकाओं में ये लगातार लिखती रही हैं।

प्रो. इलीना सेन

प्रो. इलीना सेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानी जाने वाली नारीवादियों एवं मानवाधिकार कार्यकर्ताओं में से हैं। प्रो. सेन अकादमिक जगत में भी सुविख्यात हैं। कोलकाता, तिरूपति, जबलपुर एवं जे.एन.यू. से शिक्षाप्राप्त प्रो. सेन का महिला आंदोलनों के साथ भी गहरा जुड़ाव रहा है। 'रूपांतर' नामक संस्था के जरिए छत्तीसगढ़ में महिला एवं आदिवासी विकास के लिए किए इन्होंने दो दशक से ज्यादा समय तक काम किया है। वर्तमान में एडवांस सेंटर फॉर वीमेंस स्टडीज़, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS), मुंबई एवं स्त्री अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र में प्रोफेसर हैं।

मेरी जॉन

डॉ. मेरी ई. जॉन ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से अर्थशास्त्र में एम ए करने के बाद पुणे विश्वविद्यालय से दर्शन शास्त्र में एम ए और कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय से स्त्री अध्ययन में पी-एच डी की उपाधि प्राप्त की। वे महिला एवं विकास अध्ययन केंद्र (CWDS) की निदेशक भी रह चुकी हैं। इसके साथ ही उन्होंने 2001-06 तक जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्त्री अध्ययन पाठ्यक्रम में अध्यापन किया है। मेरी जॉन की 'प्लानिंग फेमिलीज़-प्लानिंग जेंडर', 'वीमेन स्टडीज़ इन इंडिया', 'कंटेस्टेड ट्रांसफॉर्मेशंस', 'ए क्वेश्चन ऑफ साइलेंस' आदि कई अन्य महत्त्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित हैं।

शुभ्रा नागलिया

डॉ. शुभ्रा नागलिया अंबेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में महिला एवं जेंडर अध्ययन प्रोग्राम की समन्वयक हैं। रशियन भाषा और साहित्य में जेएनयू से एम.फिल. करने के बाद जेएनयू के ही स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस से समाजवादी सोवियत संघ और उसके विघटन के बाद महिलाओं को लेकर राज्य की नीतियों में आए बदलावों और उसके प्रभावों के अध्ययन पर इन्होंने पीएचडी की है। इनके अध्ययन के प्रमुख क्षेत्रों में राज्य, श्रम, बाज़ार और महिलाएं, राज्य की जेंडर विचारधारा और उसकी शिक्षा नीतियों के जेंडर आयाम आदि हैं। 'जेंडर, विचारधारा और राजसत्ता: पाठ की रणनीतियां' इनकी एक महत्वपूर्ण पुस्तक है।

अनामिका

डॉ. अनामिका सुविख्यात कवयित्री हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में अध्यापनरत हैं। वर्तमान में ये दिल्ली के नेहरू मेमोरियल ट्रस्ट की रिसर्च फेलो भी हैं। डॉ. अनामिका के अब तक आठ कविता संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। साथ ही इन्हें भारत-भूषण सम्मान(1996), गिरिजा माथुर सम्मान(1998), परम्परा सम्मान(2001), साहित्य सेतु सम्मान(2004), केदार सम्मान(2007) आदि कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

अब तक का सफर

संकाय सदस्य एवं कर्मचारी

संकाय सदस्यों का संक्षिप्त परिचय

प्रो. इलीना सेन (अवकाश पर)

पदनाम : प्रोफेसर
योग्यता : एम. ए. (सोशियोलॉजी), श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति
एम. ए. (इंग्लिश), जबलपुर यूनिवर्सिटी
पीएचडी (पॉपुलेशन स्टडीज), जेएनयू, नई दिल्ली
विषय-क्षेत्र : देशजवाद, नारीवादी सैद्धांतिकी, महिला आंदोलन, समकालीन नारीवादी मुद्दे
प्रकाशन :
इनसाइड छत्तीसगढ़: ए पॉलिटिकल मेमॉयर, पेंगुइन, नई दिल्ली 2014
सुखवासिन: माइग्रेंट वीमेन ऑफ छतीसगढ़, फ्रेड्रिक-एबर्ट-स्टिफटंग पब्लिकेशन मिशिगन, 1995
ए स्पेस विदिन द स्ट्रगल: वीमेन्स पार्टिसिपेशन इन पीपल्स स्ट्रगल्स, काली फॉर वीमेन, नई दिल्ली 1990
अन्य : सीनियर फ़ेलो, नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी, नई दिल्ली

प्रो. शंभु गुप्त

पदनाम : प्रोफेसर
योग्यता : पी-एच.डी. (हिन्दी साहित्य)
विषय-क्षेत्र : साहित्यालोचना, साहित्य का नारीवादी अध्ययन
प्रकाशन :
अनहद गरजै, शिल्पायन, नई दिल्ली 2012

दो अक्षर सौ ज्ञान, शिल्पायन, नई दिल्ली 2010

साहित्य सृजन: बदलती प्रक्रिया, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली 2012

मैंने पढ़ा समाज, शिल्पायन, नई दिल्ली 2012

कहानी : वस्तु और अन्तर्वस्तु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 2013

अन्य : डॉ. रामविलास शर्मा आलोचना सम्मान (2008)

युवा आलोचना पुरस्कार (1994)

डॉ. सुप्रिया पाठक

पदनाम : सहायक प्रोफेसर

योग्यता : एम.फिल (स्त्री अध्ययन), म.गां.अं.हि.विश्वविद्यालय, वर्धा

पी-एच.डी. (स्त्री अध्ययन) म.गां.अं.हि.विश्वविद्यालय, वर्धा

विषय-क्षेत्र : स्त्री एवं मीडिया, रंगमंच एवं स्त्री, नारीवादी सैद्धांतिकी, भाषा एवं साहित्य, नारीवादी शोध प्रविधि

प्रकाशन :

गांधीजी का स्त्री शिक्षा दृष्टिकोण : एक स्त्रीवादी नोट, नयी तालीम, मिथिलेश एवं ए. अरविंदाक्षन (सं) राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

'साहित्यिक एवं सैद्धांतिक स्त्री विमर्श के द्वंद', युग-परिबोध, संपादक-आंनद प्रकाश अंक-2, नई दिल्ली, 2012.

'पारसी हिंदी रंगमंच', युग-परिबोध, संपादक-आंनद प्रकाश अंक-4, नई दिल्ली, 2012

'पारसी हिंदी रंगमंच एवं महिलाएं', लोकमत दीपावली विशेषांक, नागपुर, 2013

शोध/परियोजना : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कनिष्ठ शोध परियोजना "पारसी रंगमंच एवं महिलाएं' 2013.

ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण : विशेष संदर्भ साठोरा गांव, वर्धा जिला, म.गां.अं.हि.विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा जेंडर एवं राष्ट्रीय नीतियाँ : एक नारीवादी अध्ययन, म.गां.अं.हि.विश्वविद्यालय,वर्धा

अवन्तिका शुक्ला

पदनाम : सहायक प्रोफेसर

योग्यता : एम.फिल (स्त्री अध्ययन), म.गां.अं.हि.विश्वविद्यालय, वर्धा

पी-एच.डी. (स्त्री अध्ययन) म.गां.अं.हि.विश्वविद्यालय, वर्धा

विषय-क्षेत्र : स्त्री एवं श्रम, प्रस्तुतिकरण में स्त्रियां, जाति,वर्ग एवं जेंडर के प्रश्न, नारीवादी शोध प्रविधि

प्रकाशन :

सीता के मिथक का विकास (अनु.) (डेवलपमेंट ऑफ सीता मिथ : ए केस स्टडी ऑफ वीमेन एंड लिट्रेचर, उमा चक्रवर्ती) वर्तमान साहित्य, मार्च 2010

अच्छी लडकियाँ प्रेम नहीं करतीं, आशय- प्रेम का स्त्री अर्थ, मार्च 2006

शोध/परियोजना :

परिवार की बदलती अवधारणा और नौकरीशुदा एकल गृहस्थ (विवाहित) महिलाएं : एक जेंडरगत अध्ययन, म.गां.अं.हि.विश्वविद्यालय, वर्धा

कार्यालय कर्मचारी

सुश्री शुभांगी धोंगडे - विभागीय सहायक

सुश्री कांचन शेंडे - पुस्तकालय परिचारक

श्री अमोल आडे - एम.टी.एस.

संचालित पाठयक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	सीट	पात्रता
एम.ए. स्त्री अध्ययन	दो वर्ष	30	किसी भी विषय में स्नातक + अभिरूचि
एम.फिल.स्त्री अध्ययन	डेढ वर्ष	25	एम.ए. स्त्री अध्ययन/सामाजिक विज्ञान/मानविकी
पी.एचडी. स्त्री अध्ययन	चार वर्ष	रिक्तियों के आधार पर	स्त्री अध्ययन/सामाजिक विज्ञान/मानविकी में स्नातकोत्तर
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	एक वर्ष	20	किसी भी विषय में स्नातक

विभाग से जुड़े अतिथि विद्वान

प्रो. उमा चक्रवर्ती
नारीवादी इतिहासकार

डॉ. वंदना सोनालकर
टीआईएसएस, मुंबई

प्रो. वासंती रमन
नारीवादी कार्यकर्ता, नई दिल्ली

डॉ. सुधा भारद्वाज,
वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राजनीतिक कार्यकर्ता

सुश्री शुभ्रा नागलिया
अंबेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

श्री सुभाष गाताड़े

सामाजिक कार्यकर्ता

डॉ. शोमा सेन

नागपुर विश्वविद्यालय

श्री नन्दकिशोर आचार्य

आईआईआईटी, हैदराबाद

डॉ. मीरा वेलायुधन

पॉलिसी एनालिस्ट, सीईएससी, अहमदाबाद

कविता श्रीवास्तव

मानवाधिकार कार्यकर्ता

डॉ. लता सिंह
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय

जुगुलकिशोर
रंगकर्मी, बीएनए, लखनऊ

डॉ. इन्दु अग्निहोत्री
निदेशक सीडबल्यूडीएस, दिल्ली

शमिम मोदी
टीआईएसएस, मुंबई

शमिता सेन,
जादवपुर विश्वविद्यालय

श्री अरविंद जैन
वरिष्ठ विधि विशेषज्ञ, नई दिल्ली

डॉ. सुधा सिंह
दिल्ली विश्वविद्यालय

\

अध्ययन-अध्यापन के महत्वपूर्ण क्षेत्र

स्त्रियों का विलुप्त इतिहास	स्त्री और हिंसा
ज्ञान उत्पादन की नारीवादी आलोचना	दक्षिण एशियाई साहित्य में स्त्री
साहित्य और स्त्री: पढ़ने के तरीके/साहित्य	जेंडर और विकास का राजनैतिक अर्थशास्त्र
मीडिया और जेंडर: देखने के तरीके/सिनेमा टी.वी.	अन्तरराष्ट्रीय राजनीतिक विन्यास और सैन्यीकरण: सहमति और असहमति
पितृसत्ता, सामाजिक पुनरुत्पादन और यौनिकता	राज्य, विचारधारा, विधिक और शैक्षिक संस्थान
जाति, वर्ग और जेंडर	राष्ट्रवाद, उपनिवेशवाद और जेण्डर
स्त्री और स्वास्थ्य	स्त्रीवादी अवधारणा/सिद्धांत

करिकुलम, शिक्षण-प्रशिक्षण और मूल्यांकन का अभिनव प्रयोग:

पठन-पाठन का दृष्टिकोण – विद्यार्थियों में रचनात्मक एवं आलोचनात्मक चेतना का विकास करना ताकि वे हाशिए के समाजों की ज्ञान-मीमांसा और उनके परिप्रेक्ष्य से दुनिया को देखने की दृष्टि हासिल कर सकें

छात्रों के भीतर एडॉप्टिव नेतृत्व विकसित करना ताकि वे भविष्य की बौद्धिक एवं सामाजिक चुनौतियों का सामना करते हुए अपने परिवेश में सार्थक हस्तक्षेप कर सकें

पाठ्यचर्या (करिकुलम) – ज्ञानानुशासन एवं इसमें अपनी अवस्थिति की विशिष्टता के मुताबिक हमारे करिकुलम की कुछ विशेषताएं हैं जो इसे खास बनाती हैं:

छात्र केन्द्रित – विद्यार्थियों पर ऊपर से थोप दिए गए करिकुलम के बजाय (वो चाहे विषय-विशेषज्ञों द्वारा हो या छात्र-केन्द्रित करिकुलम की वैचारिक बहसों के अंतर्गत), हम छात्रों के साथ परस्पर बातचीत के जरिए और उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, उनके साथ मिलकर भी करिकुलम को संवर्धित करते हैं।

इसमें एक अकादमिक लचीलेपन (**flexibility**) की कोशिश है जो स्त्री-अध्ययन के अनुशासन और हिन्दी में ज्ञान निर्माण की जरूरतों एवं उसकी अनिवार्यताओं से निकली है। इसलिए जहां एक तरफ करिकुलम की छात्रोन्मुखता महत्वपूर्ण है, वहीं यह अपने स्वरूप में करिकुलम की सीमाओं को अतिक्रमित भी करती है।

विशेषज्ञ - हमारे लिए विशेषज्ञ के मायने सिर्फ अकादमिक दुनिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन की अन्य विधाओं से जुड़े लोगों के अनुभव, व्यवहार या श्रम आधारित ज्ञान भी हमारे लिए लर्निंग रिसोर्स (ज्ञानात्मक स्रोत) हैं।

मूल्यांकन-प्रक्रिया

अपनी अनुशासनिक विशिष्टता के चलते करिकुलम में तय औपचारिक मूल्यांकन के अलावा, विभाग में किसी विद्यार्थी के पहले दिन से लेकर पाठ्यक्रम पूरा होने के अंतिम दिन तक उसकी चेतना एवं व्यक्तित्व में गुणात्मक स्तर पर आए परिवर्तन भी, विद्यार्थी के विकास को मांपने का हमारा एक तरीका है। साथ ही यह हमारे ख़ुद के लिए विभाग की शिक्षण-पद्धति के मूल्यांकन का भी मापदंड है।

छात्रों के लिए ज्ञानवर्धन कार्यक्रम

- वाह्य विशेषज्ञों द्वारा विशेष व्याख्यान
- विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा विशेष व्याख्यान
- प्रशिक्षण कार्यक्रम
- कार्यशालाएँ एवं व्याख्यान शृंखला
- संगोष्ठियाँ
- प्रत्येक शुक्रवार फिल्म प्रदर्शन
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन
- शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम

विभागीय गतिविधियां

विशेष व्याख्यान

विषय	आमंत्रित वक्ता	दिनांक
राजनीतिक अर्थशास्त्र, विकास, भूमंडलीकरण और नारीवाद	डॉ. इन्दु अग्निहोत्री (नई दिल्ली)	27 अगस्त, 2011
स्त्रीवादी शोध-प्रविधि	डॉ. वासंती रमन (नई दिल्ली)	09 दिसम्बर, 2011
मॉरीशस में स्त्री की स्थिति	डॉ. रश्मि रामधनी (मॉरीशस)	04 अप्रैल, 2012
आज के प्रमुख स्त्री मुद्दे	प्रो. राकेश चंद्रा (लखनऊ)	03 अगस्त, 2012
1) भारतीय कानून व्यवस्था 2) कानूनी प्रक्रिया तथा स्त्री	सुश्री कमलेश जैन (नई दिल्ली)	05-06 सितम्बर, 2012
वर्तमान कृषि संकट एवं महिलाएं	श्री विजय जावंदिया (वर्धा)	21 सितम्बर, 2012
1) स्त्री आन्दोलन का दूसराएवं तीसरा दौर 2) साहित्य की स्त्रीवादी आलोचना 3) उपद्रवग्रस्त क्षेत्रों में स्त्रियाँ	श्री श्रीप्रकाश मिश्र (नई दिल्ली)	03-05 अक्टूबर, 2012
1) जाति, वर्ग, जेंडर 2) संविधान और स्त्री 3) स्त्री आन्दोलन	श्री अरविंद जैन (नई दिल्ली)	30-31 अक्टूबर, 2012
स्त्री आन्दोलन का इतिहास और विश्व की प्रमुख स्त्री-आन्दोलनकर्त्रियाँ	डॉ. कुसुम त्रिपाठी (मुंबई)	18 फरवरी, 2013
नई प्रजनन तकनीक तथा उनके लैंगिक आयाम	डॉ. ज्योत्सना अग्निहोत्री गुप्ता (दिल्ली)	22-23 फरवरी, 2013
1) हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श के मायने 2) समकालीन संदर्भ में महिला आंदोलन के समक्ष चुनौतियां	डॉ. किरण शाहीन	11 एवं 12 फरवरी, 2014
स्त्री पर हिंसा के नए रूप	डॉ. कुसुम त्रिपाठी (मुंबई)	21 फरवरी, 2014
महिला और कानून संरक्षण	एडवोकेट सुधा भारद्वाज (बिलासपुर)	28 फरवरी, 2014

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला

❑ भारतीय स्त्री अध्ययन संघ का 13वां राष्ट्रीय सम्मेलन

आमंत्रित विशेषज्ञ : कुमुद पावड़े, प्रो. उमा चक्रवर्ती, जाहिदा हिना, प्रो. सूजी थारू, प्रो. शर्मिला रेगे, कविता श्रीवास्तव, प्रो. शमिता सेन, सुधा भारद्वाज एवं अन्य

थीम : हाशिएकरण का प्रतिरोध, वर्चस्व को चुनौती: जेंडर राजनीति की पुर्नदृष्टि

दिनांक : 21-24 जनवरी 2011

प्रतिभागियों की संख्या: 700

❑ भारतीय स्त्री-अध्ययन संघ की श्रेत्रीय संगोष्ठी

आमंत्रित बाह्य विशेषज्ञ : डॉ. कविता श्रीवास्तव, विनीत तिवारी, जया मेहता, प्रो. शमिता सेन

थीम : 'स्त्री संघर्ष के सौ साल : हासिल मुकाम एवं दिशाओं की तलाश

दिनांक : 03-04 मार्च, 2010

प्रतिभागियों की संख्या: 80

❑ शोध प्रविधि कार्यशाला

आमंत्रित वाह्य विशेषज्ञ: डॉ. रेणु अदलखा, डॉ. नीता, प्रो. वंदना सोनालकर, डॉ. मंजीत भाटिया, डॉ. इन्दु अग्निहोत्री

थीम : स्त्री अध्ययन में शोध प्रविधि

दिनांक : 26 से 29 सितंबर, 2013

प्रतिभागियों की संख्या: 50

❑ पुस्तकालय के प्रयोग, सूचना-स्रोत इत्यादि मुद्दों पर कार्यशाला

आमंत्रित बाह्य विशेषज्ञ : डॉ. अंजु व्यास, पुस्तकालयाध्यक्ष, सी.डब्ल्यू.डी.एस, नई दिल्ली

थीम : शोध के लिए सूचना स्त्रोतों की भूमिका और पुस्तकालय का प्रयोग

दिनांक : 30-31 जनवरी 2013

प्रतिभागियों की संख्या: 50

❑ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'फिल्म महोत्सव'

आमंत्रित बाह्य विशेषज्ञ :

श्री प्रवीण कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. नूतन मालवी, वर्धा

डॉ. निशा शेंडे, अमरावती

थीम : महिलाओं के विरुद्ध हिंसा और सिनेमाई रुख़

दिनांक : 08-09 मार्च 2014

नाट्य-मंचन और पोस्टर प्रदर्शनी

- ❖ नाटक 'रहोगी तुम वही' और 'सत्ता-संवाद' (सुधा अरोड़ा की कहानी पर आधारित) का मंचन
- ❖ एम.ए. स्त्री अध्ययन (2008) के विद्यार्थियों द्वारा 'विदर्भ में किसान आत्महत्या के बाद उनसे जुड़ी स्त्रियों की स्थिति पर आधारित नाटक 'आख़िरी कदम' का पटकथा लेखन (लघु परियोजना के रूप में) एवं प्रस्तुति
- ❖ 8 मार्च 2013 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभाग के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों और पेंटिंग्स की प्रदर्शनी

क्षेत्र आधारित गतिविधियां

- ❖ 8 मार्च 2009 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर स्त्री अध्ययन विभाग की ओर से विश्वविद्यालय परिसर में भवन निर्माण कार्य में लगी महिला मजदूरों को आमंत्रित किया गया और उनके अनुभवों एवं समस्याओं पर बातचीत करते हुए उनके साथ एक सार्थक संवाद स्थापित करने की कोशिश की गई।
- ❖ 2008 में एम.ए. (स्त्री अध्ययन) के विद्यार्थियों द्वारा वर्धा स्थित विभिन्न संस्थाओं में जाकर वहाँ कार्यरत महिला मजदूरों की स्थिति का जायजा लिया गया और इन संस्थाओं के आधुनिकीकरण एवं यहाँ तैयार होने वाले उत्पाद के बाजारीकरण के बीच यहाँ व्याप्त जेंडर विभेद के स्वरूपों का अध्ययन किया गया (लघु परियोजना के रूप में)।
- ❖ 2011 में स्त्री अध्ययन विभाग के एम.फिल. शोधार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत विभिन्न 'कंस्ट्रक्शन कंपनियों' का अवलोकन किया गया और उनसे जुड़ी महिला मजदूरों से संवाद स्थापित करते हुए उनकी विभिन्न समस्याओं का अवलोकन कर एक रिपोर्ट तैयार की गई (लघु परियोजना के रूप में)।

समय और समाज पर हस्तक्षेप

- ❖ विभाग के विद्यार्थियों की स्त्रियों से जुड़े मुद्दों के समर्थन और उन पर होने वाली हिंसा की घटनाओं के प्रतिरोध में सक्रिय भागीदारी रही है जिनमें इरोम शर्मिला एवं दामिनी कांड जैसी घटनाओं पर विद्यार्थियों का हस्तक्षेप उल्लेखनीय है।

छात्रों की सहभागिता से संचालित गतिविधियां

भित्ति पत्रिका (वॉल मैग्जीन) "परवाज़"

समसामयिक मुद्दों पर आलोचनात्मक टिप्पणियों के साथ विद्यार्थियों की रचनात्मकता का प्रतिबिंबन

सदस्य- राजकुमार, मनोज गुप्ता, प्रीतिमाला, कीर्ति

विभागीय ब्लॉग "स्त्री स्वर"

विभाग के दृष्टिकोण एवं गतिविधियों को वेब जगत में प्रस्तुत करने का आवश्यक जरिया

सदस्य- साकेत बिहारी, आरती, अफसर हुसैन खान

न्यूज कलेक्शन व क्लिपिंग

महिलाओं से जुड़े विविध मुद्दों पर रोज़ब्रोज प्रकाशित खबरों का संकलन

सदस्य- चित्रलेखा अंशु, मनीष, अफसर हुसैन खान, राजलक्ष्मी

शोध-संवाद

शोध की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए शोधार्थियों के बीच वाद-विवाद-संवाद का एक मंच

सदस्य- आकांक्षा, मनोज गुप्ता

पी.एच.डी. शोधार्थियों का संक्षिप्त परिचय

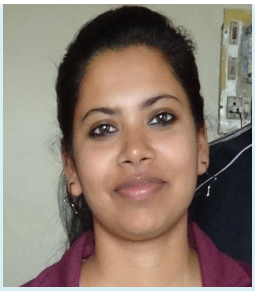

नाम : चित्रलेखा अंशु
सत्र : 2011-12
विषय: मानवाधिकार: नारीवादी आलोचना (मिथिला के विशेष परिप्रेक्षय में)
शोध-निर्देशक : प्रो. शंभु गुप्त

नाम: राजकुमार
सत्र : 2011-12
विषय : भारतीय सूफ़ी परंपरा में सूफ़ी महिलाओं का जीवन दर्शन और साहित्यक लेखन में योगदान
शोध-निर्देशक : प्रो. शंभु गुप्त

नाम: आकांक्षा कुमारी
सत्र : 2011-12
विषय : भारत में सांप्रदायिकता और जातिगत राजनीति का जेंडरीकरण (विशेष संदर्भ: 1990 के बाद)
शोध-निर्देशक : प्रो. शंभु गुप्त

नाम: चेतान सोरेन
सत्र : 2011-12
विषय : झारखण्ड के आदिवासी आन्दोलनों में महिलाओं की भूमिका एक ऐतिहासिक नारीवादी अध्ययन
शोध-निर्देशक : प्रो. शंभु गुप्त

नाम: मनोज द्विवेदी
सत्र : 2011-12
विषय : यौन इच्छाओं का नव संस्थानीकरण: जेंडर दृष्टिकोण
शोध-निर्देशक : प्रो. इलिना सेन

नाम: रेणु कुमारी
सत्र : 2011-12
विषय : 21 वीं सदी के पहले दशक का हिंदी सिनेमा और स्त्री छवि
शोध-निर्देशक : प्रो. शंभु गुप्त

नाम: अस्मिता राजूरकर
सत्र : 2011-12
विषय : नर्सिंग पेशे का नारीवादी अध्ययन (विदर्भ: नागपुर के विशेष संदर्भ में)
शोध-निर्देशक : प्रो. शंभु गुप्त

नाम: आरती कुमारी
सत्र : 2012-13
विषय : आज़ाद हिन्द फौज़ में महिलाओं की भूमिका (विशेष संदर्भ: रानी झाँसी रेजीमेंट)
शोध-निर्देशक : प्रो. शंभु गुप्त

नाम: अफसर हुसैन खान
सत्र : 2012-13
विषय : औपनिवेशिक भारत में इस्लामिक पुनरुत्थानवाद और स्त्री प्रश्न (विशेष संदर्भ: 1800-1947)
शोध-निर्देशक : डॉ. सुप्रिया पाठक

नाम: राहुल
सत्र : 2012-13
विषय : कहावतों एवं लतीफों में अभिव्यक्त पितृसत्तात्मक स्वर
शोध-निर्देशक : प्रो. शंभु गुप्त

नाम: अतुल मिश्रा
सत्र : 2012-13
विषय : सबाल्टर्न और विज्ञान: ज्ञान, सत्य, यथार्थ एवं जेंडर विमर्श
शोध-निर्देशक : डॉ. सुप्रिया पाठक

नाम: प्रीतिमाला
सत्र : 2014-15
विषय : भारतीय सौन्दर्यशास्त्रीय दृष्टि और उत्तर भारतीय महिलाओं के सौन्दर्य प्रतिमान का यथार्थ
(प्रस्तावित)
शोध-निर्देशक : डॉ. सुप्रिया पाठक

नाम: कीर्ति शर्मा
सत्र : 2014-15
विषय : अनकही, अनसुनी आवाज़ें : फुटपाथ के बच्चे – यौन हिंसा (एक विश्लेषणात्मक अध्ययन)
(प्रस्तावित)
शोध-निर्देशक : डॉ. सुप्रिया पाठक

नाम: मनोज कुमार गुप्ता
सत्र : 2014-15
विषय : पंचायती राज्य व्यवस्था: महिला नेतृत्त्व एवं शासन (यूपी के देवीपाटन मण्डल की ग्राम पंचायतों के संदर्भ में)
(प्रस्तावित)
शोध-निर्देशक : प्रो. शंभु गुप्त

नाम: मनीष कुमार सिंह
सत्र : 2014-15
विषय : औपनिवेशिक उत्तर भारत की स्त्री चेतना का उद्भव व हिन्दी महिला पत्रिकाएँ : 1910-1947
(प्रस्तावित)
शोध-निर्देशक : डॉ. सुप्रिया पाठक

नाम: राजलक्ष्मी
सत्र : 2014-15
विषय : वैवाहिक बलात्कार/सहमति की अवधारणा में अवपीड़न और वर्चस्व का पुनुरुत्पादन
(प्रस्तावित)
शोध-निर्देशक : डॉ. सुप्रिया पाठक

नाम: साकेत बिहारी

सत्र : 2014-15

विषय : आरंभिक मध्यकालीन भारत में दलित स्त्रियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति : उत्तर एवं पूर्व भारत के संदर्भ में

(प्रस्तावित)

शोध-निर्देशक : डॉ. सुप्रिया पाठक

विभाग मे अब तक हुए शोध (विषयवार)

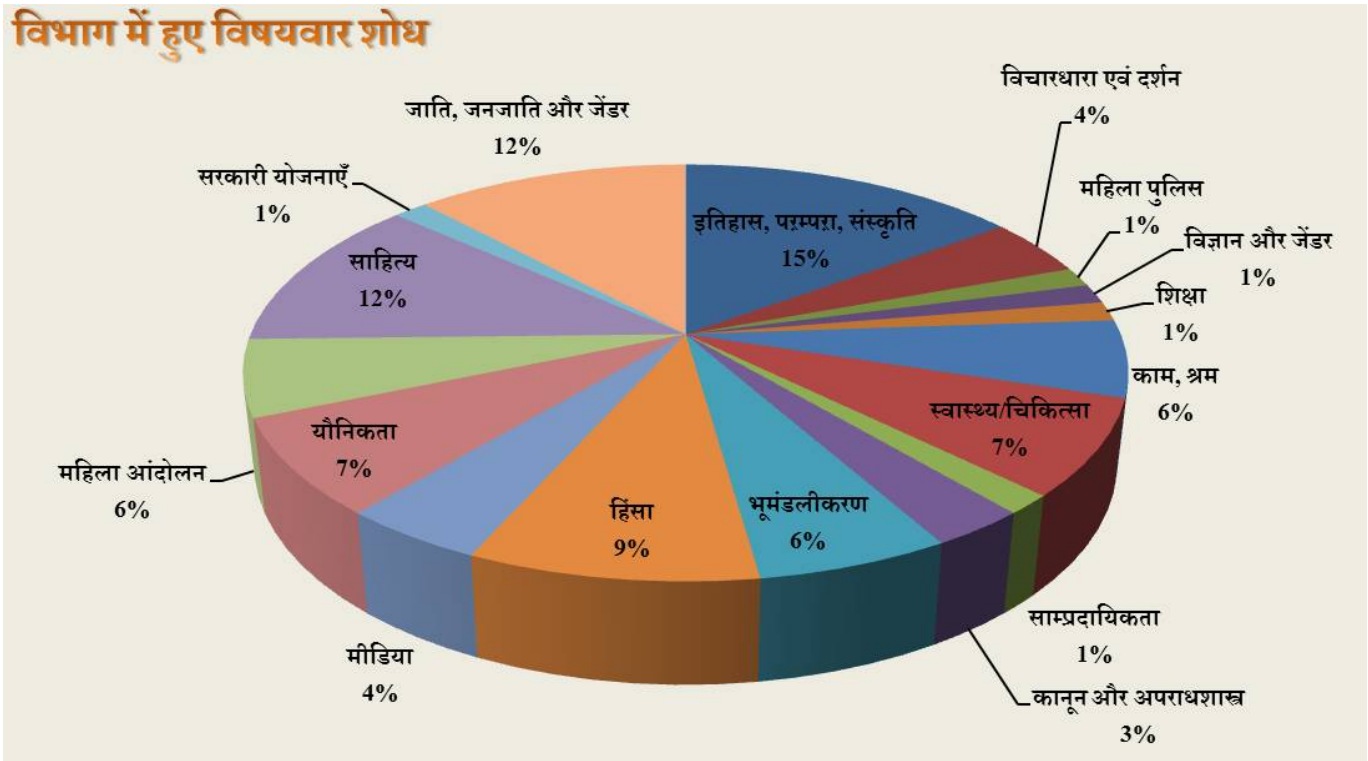

विभाग में अब तक हुए शोधकार्य

पी-एच.डी शोध प्रबंध

पी-एच.डी

1.	श्री सुमित सौरभ	गृहस्थी तथा गृहस्थी के भीतर के लैंगिक संबंधों पर नयी आर्थिक नीति का प्रभाव (बिहार के विशेष संदर्भ में)	प्रो. इलीना सेन
2.	सुश्री रेखा यादव	गांधीजी के आंदोलन में महिलाए : बारदोली तथा साबरमती आश्रम निवासी महिलाओं का अध्ययन (1942-1996)	प्रो. इलीना सेन
3.	श्री सर्वेश कुमार पाण्डेय	पूर्वांचल में दलित व स्त्री-मूलक प्रश्न (भोजपुरी लोकगीत के आईने में)	प्रो. इलीना सेन
4.	श्री विजय कुमार झा	ब्रिटिश पूर्व मिथिला में जाति, वर्ग और जेंडर	प्रो. इलीना सेन
5.	श्री गंभीर सिंहमीणा	घरेलू हिंसा का स्त्रियों के स्वास्थ्य पर प्रभाव (जयपुर संभाग केविशेष संदर्भ में)	प्रो. इलीना सेन
6.	सुश्री सुप्रिया पाठक	पारसी हिन्दी रंगमंच एवं महिलएं	प्रो. इलीना सेन
7.	श्री अजित सिंह	”हिन्दी आत्मकथा लेखन में स्त्री-रचनाकारों का अवदान	प्रो. इलीना सेन
8.	सुश्री हर्षा जगताप	विदर्भ की एच.आई.वी./एड्स संक्रमित घरेलू महिलाओं की मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक एवं जीवनशैली के संदर्भ में एक शोध अध्ययन	डॉ. एम. एल. कासारे
9.	सुश्री ममता कुमारी	अपराधशास्त्र का स्त्रीवादी विवेचन	प्रो. इलीना सेन
10.	सुश्री विश्रांति मुंजेवार	बुद्ध एवं डॉ. अंबेडकर के चिंतन में स्त्रीमुक्ति के आयाम	डॉ. एम.एल. कासारे
11.	सुश्री अवन्तिका शुक्ला	कथक की परंपरा, घराने एवं स्त्री प्रश्न	प्रो. इलीना सेन
12.	सुश्री रजनीगंधा धाबर्डे	बौद्ध धर्म में स्त्री विमर्श (एक विश्लेषणात्मक अध्ययन)	डॉ. एम.एल. कासारे

एम.फिल लघु शोध प्रबंध

एम.फिल. 2005-06

1.	श्री विजय कुमार झा	वर्ग, जाति, जेंडर : प्रधान श्रेणी की तलाश	प्रो. इलीना सेन
2.	श्री सुधीर कुमार सिंह	वेदान्त दर्शन, विवेकानंद और जेन्डर प्रश्न (ऐतिहासिक व समकालीन परिप्रेक्ष्य में एक दृष्टिकोण)	डॉ. उमा चक्रवर्ती
3.	सुश्री अवन्तिका शुक्ला	काँच की चूडियाँ - एक सांस्कृतिक, आर्थिक अध्ययन	डॉ. उमा चक्रवर्ती
4.	सुश्री माधुरी रा. इखार	भारत में महिलाओं की पोषण स्थिति - लैंगिक असमानता के परिप्रेक्ष्य में	प्रो. इलीना सेन
5.	सुश्री रेखा यादव	नई आर्थिक नीति, प्रवास तथा प्रवासी महिलाओं की स्थिति (गोरवा, मलिन बस्ती, बड़ौदा के विशेष संदर्भ में)	प्रो. इलीना सेन
6.	श्री सुमित सौरभ	भारतीय समाजवादी आंदोलन का स्त्री प्रश्नों के प्रति नजरिया: डॉ. राम मनोहर लोहिया के विशेष संदर्भ में	डॉ. उमा चक्रवर्ती
7.	सुश्री सुप्रिया पाठक	नक्सल मुद्दे एवं आदिवासी महिला प्रश्न (सलवा जुडूम अभियान में आदिवासी महिलाओं की स्थिति के विशेष संदर्भ में)	डॉ. उमा चक्रवर्ती
8.	श्री सर्वेश कुमार पाण्डेय	हिंदी स्त्री लेखन और स्त्री प्रश्न (विशेष संदर्भ: ‘आपका बंटी’, ‘बेघर’, सूरजमुखी अंधेरे के’, ‘मित्रो मरजानी’ और ‘पचपन खम्भे लाल दीवारें’)	प्रो. इलीना सेन

एम.फिल. 2006-07

1.	सुश्री ममता कुमारी	दण्ड व्यवस्था में स्त्री	प्रो. इलीना सेन
2.	सुश्री रजनीगंधा धाबर्डे	आदिवासी समुदाय और महिला सशक्तिकरण (मध्य भारत के माड़िया जनजाति का विश्लेषण)	प्रो. इलीना सेन

एम.फिल. 2007-08

1.	सुश्री हर्षला विठ्ठल आयरे	काशीबाई कानिटकर (1850-1948) : एक अध्ययन (महाराष्ट्र के परिप्रेक्ष्य में)	प्रो. इलीना सेन
2.	सुश्री विश्रांति ग. मुंजेवार	थेरीगाथा और स्त्रियों का प्रतिरोधी स्वर	प्रो इलीना सेन
3.	सुश्री हर्षा आनंदराव जगताप	एच.आई.वी./एड्स संक्रमित महिलाओं का समाज में स्थान	प्रो. इलीना सेन

4.	कल्पना गिरिधरराव देशमुख	भारत में अन्तरराष्ट्रीय महिला दशक नीतियाँ, कार्यक्रम और हिन्दी पत्रकारिता	प्रो इलीना सेन
5.	मोहिनी महादेव ताजने	कन्या भ्रूण हत्या: एक अभिशाप	प्रो. इलीना सेन
6.	पिंकी कुमारी	आज़ाद भारत में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता (विशेष संदर्भ 'पंचायती राज')	प्रो. इलीना सेन
7.	सुरेन्द्र मनोहरराव श्यामकुल	भूमण्डलीकरण का विदर्भ के किसान स्त्रियों पर प्रभाव और परिणाम (विशेष संदर्भ - वर्धा जिला)	प्रो इलीना सेन

एम.फिल. 2008-09

1	श्री अरूण कुमार	सुभद्रा कुमारी चौहान एवं समकालीन स्त्री विमर्श	प्रो. इलीना सेन
2	श्री अविनाश राऊत	देह-व्यापार करने वाली महिलाओं की वास्तविक स्थिति - एक अध्ययन	प्रो. इलीना सेन
3	श्री देवाशीष प्रसून	जेंडर-निर्माण में संस्कारों की भूमिका	प्रो. इलीना सेन
4	श्री गोपाल कुमार चैधरी	लिंग-भेद विश्लेषण: एन.सी.ई.आर.टी. की कक्षा आठ एवं नौ की सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों के सन्दर्भ में	प्रो. इलीना सेन
5	सुश्री ज्योति अवस्थी	कार्यस्थल पर यौन-उत्पीड़न व उससे सम्बन्धित नियमावली की विस्तृत विवेचना	प्रो. इलीना सेन
6	सुश्री ममता कराडे	आदिवासी महिलाओं का स्वास्थ्य : एक अध्ययन	प्रो. इलीना सेन
7	सुश्री मीनाक्षी सिंह	पुलिस बल में महिला कांस्टेबल की स्थिति एवं समस्याएँ	प्रो. इलीना सेन
8	सुश्री ज्योती तामगाडगे	घटते लिंग-अनुपात व कन्या भ्रूण हत्या का विश्लेषण: एक अध्ययन	प्रो. इलीना सेन
9	श्री प्रत्यूष प्रशांत	समाचारपत्रों के स्त्री-पक्ष का अध्ययन	प्रो. इलीना सेन
10	श्री विवेक जायसवाल	महिला फिल्म निर्देशक और नारीवादी मुद्दे	प्रो. इलीना सेन
11	ओमप्रकाश कुशवाहा	यूरोप में नारीवादी आंदोलन और यूरोपियन कार्टूनिंग	प्रो. इलीना सेन
12	श्री संजीव कुमार चन्दन	सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक परिवर्तनों का यौन कर्म पर प्रभाव (विशेष संदर्भ : गया, बिहार में यौनकर्म)	डा. अनामिका

एम.फिल. 2009-10

1.	सुश्री आकांक्षा	दक्षिणपंथी महिला 'संगठनों' की विचारधारा एवं कार्यप्रणाली : एक नारीवादी टिप्पणी (विशेष संदर्भ: राष्ट्रसेविका समिति एवं दुर्गावाहिनी)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
2.	सुश्री श्रुतिकीर्ति	सतनामी समाज में मिनीमाता के कार्यों की नारीवादी व्याख्या	प्रो. इलीना सेन
3.	सुश्री सुनीता कुमारी	'मातृदेवियों की अवधारणाएं' (विशेष संदर्भ: महराजगंज जिला सदर तहसील)	सुश्री सुप्रिया पाठक
4.	श्री चैतान सोरेन	यूरेनियम खनन से पर्यावरण और महिलाओं पर प्रभाव (विशेष संदर्भ : जादूगोड़ा, पूर्वी सिंहभूम)	सुश्री सुप्रिया पाठक
5.	श्री राजकुमार	'सूफ़ी परंपरा में महिलाओं का जीवन' (विशेष संदर्भ: पंजाब राज्य)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
6.	श्री चरनजीत	सीमा क्षेत्र में विस्थापन एवं महिलाएं (विशेष संदर्भ: पंजाब प्रान्त का गुरदासपुर जिला)	प्रो. इलीना सेन
7.	श्री आनंद गोडघाटे	महिला कामगार की स्थिति तथा संघर्ष (विशेष संदर्भ: नागपुर स्थित सूती मिल)	प्रो. इलीना सेन
8.	सुश्री रीता बावनथरे	पारंपरिक चिकित्सा और महिलाएं	सुश्री सुप्रिया पाठक
9.	श्री गुरपिन्दर कुमार	उदारीकरण में कृषि और महिलाएं (विशेष संदर्भ: गुरदासपुर पंजाब जिले की ग्रामीण खेतिहर मजदूर महिला)	
10.	अस्मिता हरीभाऊ राजूरकर	अस्पतालों में परिचारिकाओं की स्थिति: एक अध्ययन (वर्धा जिले के विशेष संदर्भ में)	सुश्री सुप्रिया पाठक

एम.फिल. 2010-11

1.	सुश्री चित्रलेखा अंशु	सांस्कृतिक वर्चस्ववाद और मिथिला की महिलाएं (कुछ प्रथाओं के संदर्भ में)	डॉ. शंभु गुप्त
2.	सुश्री कविता रतूड़ी	सोवियत समाजवाद : पितृसत्ता एवं जेंडर के प्रश्न (1918-1940)	प्रो. इलीना सेन
3.	सुश्री वैशाली सवाई	कुष्ठरूग्ण महिलाओं की स्थिति एवं समस्या (विशेष संदर्भ - महारोगी सेवा समिति, मनोहर धाम, दत्तपूर, वर्धा)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
4.	सुश्री प्रीति तिवारी	आर.के नारायण के उपन्यासों का नारीवादी अध्ययन ('अँधेरा कमरा', 'कला स्नातक' और 'द गाइड' के विशेष संदर्भ में)	प्रो. इलीना सेन
5.	सुश्री सुशीला	चिकित्सा पद्धति में दाई महिलाओं का एतिहासिक योगदान (विशेष संदर्भ :	सुश्री सुप्रिया पाठक

		महराजगंज)	
6.	श्री मनोज कुमार द्विवेदी	सांस्कृतिक राजनीति और देशज समुदाय: मध्य प्रदेश में देशज समुदाय के हिन्दूकरण की प्रक्रिया	प्रो. इलीना सेन
7.	श्री अतुल कुमार मिश्र	सबाल्टर्न और विज्ञान : ज्ञान, सत्य, यथार्थ एवं जेंडर विमर्श (सापेक्षता सिद्धान्त और क्वांटम भौतिकी के विशेष संदर्भ में)	प्रो. इलीना सेन
8.	श्री योगेश कुमार तिवारी	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कथा-साहित्य में स्त्री-अस्मिता (विशेष संदर्भ : मन्नू भण्डारी की कहानियाँ)	डॉ. शंभु गुप्त
9.	श्री दिनेश कुमार	मीनाक्षी मंदिर का लैंगिक विश्लेषण : दंत कथाएँ और वास्तु कला	प्रो. इलीना सेन

एम.फिल. 2011-12

1.	श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता	जौनसार की 'खस' जनजाति में प्रचलित विवाह प्रथाएं	डॉ. शंभु गुप्त
2.	सुश्री संध्या देवी	दलित स्त्री चेतना के आयाम ('शिकंजे का दर्द' के विशेष संदर्भ में)	डॉ. शंभु गुप्त
3.	श्री सुरेश चन्द्र राय	भारत में स्वयंवर प्रथा (स्त्री स्वतंत्रता के संदर्भ में)	डॉ. शंभु गुप्त
4.	अफसर हुसैन खान	उन्नीसवी सदी के भारम में स्त्री प्रश्न (विशेष संदर्भ : मुस्लिम स्त्रियां)	प्रो. इलीना सेन
5.	सुश्री अंशुमाला सिंह	आतंकी घटनाओं का मुस्लिम महिलाओं पर प्रभाव (आजमगढ के विशेष संदर्भ में)	प्रो. इलीना सेन
6.	सुश्री कीर्ति	निजी घरों में स्थापत्य कला, सजावटी सामान और जेंडर का स्थान	प्रो. इलीना सेन
7.	सुश्री अर्चना पाण्डेय	समाजवादी चीन में महिला, श्रम और पितृसत्ता (विशेष संदर्भ : प्रगति की लंबी छलांग)	प्रो. इलीना सेन
8.	सुश्री अपर्णा दीक्षित	विवाह प्रतीकों की राजनीति (हिंदू विवाहिता के संदर्भ में)	प्रो. इलीना सेन
9.	श्री धीरज कांबले	हिंदी समाचारपत्रों में महिला पत्रकार : एक अध्ययन ('लोकमत समाचार' व 'दैनिक भास्कर' समाचार-पत्र नागपुर संस्करण के विशेष संदर्भमें)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
10.	श्री अखिल कुमार गुप्ता	भारत का नवजागरण और स्त्री मुक्ति आंदोलन (हिन्दी भाषा प्रदेश के विशेष संदर्भ में)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
11.	श्री राहुल	सामुदायिक वेश्यावृत्ति का नारीवादी अध्ययन (संदर्भ : बेडिया समुदाय)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
12.	सुश्री आरती कुमारी	नारी मुक्ति की आधारशिला हिन्दू कोड बिल(एक नारीवादी अध्ययन)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला

एम.फिल. 2012-13

1.	सुश्री रेखा तिवारी	बढ़ती लैंगिक असमानता की स्थिति व स्त्री शोषण का नया रूप (विशेष संदर्भ : हरियाणा)	प्रो. शंभु गुप्त
2.	सुश्री सोनल पिहुल	किसान आत्महत्याग्रस्त परिवारों की विधवा स्त्रियों की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का अध्ययन	प्रो. शंभु गुप्त
3.	सुश्री आम्रपाली मेश्राम	दलित महिला श्रम का सामाजिक, आर्थिक अध्ययन (विशेष संदर्भ : वर्धा शहर में सफाई कर्मी महिलाएँ)	प्रो. शंभु गुप्त
4.	सुश्री आरती प्रजापति	सामुदायिक वेश्यावृत्ति और रेत	प्रो. शंभु गुप्त
5.	श्री रोहित सिंह	हिन्दी महिला उपन्यास लेखन में स्त्री प्रतिरोध (विशेष संदर्भ : 'छिन्नमस्ता')	प्रो. शंभु गुप्त
6.	सुश्री ममता वाईकर	मातृत्व में विभिन्न नारीवादी विचारधाराएँ	सुश्री सुप्रिया पाठक
7.	सुश्री पूजा प्रजापति	बाल्मीकि रामायण और श्री रामचरित मानस की सीता का अध्ययन	सुश्री सुप्रिया पाठक
8.	श्री मनीष कुमार सिंह	औपनिवेशिक उत्तर भारत में स्त्री चेतना ('स्त्री दर्पण' पत्रिका के विशेष संदर्भ में)	सुश्री सुप्रिया पाठक
9.	श्री योगेश सिंह कुशवाहा	महिला सशक्तिकरण में गांधी का योगदान	सुश्री सुप्रिया पाठक
10.	श्री रजनीश अम्बेडकर	वेश्यावृत्ति का अध्ययन (हरदोई जिले के विशेष संदर्भ में)	सुश्री सुप्रिया पाठक
11.	सुश्री रूशाली पेंदाम	गोंड लोक-साहित्य का स्त्रीवादी अध्ययन	डॉ. प्रशांत खत्री
12.	सुश्री ऋचा सिंह	भारत में महिला सशक्तिकरण (आर्थिक नीतियों एवं कार्यक्रमों का विश्लेषणात्मक अध्ययन)	डॉ. प्रशांत खत्री

13.	सुश्री लवली त्यागी	पंचायती राज में जनप्रतिनिधित्व और नारी सशक्तिकरण (उत्तर प्रदेश राज्य के संभल जिले के संभल ब्लॉक के विशेष संदर्भ में)	प्रो. वसंती रामन
14.	सुश्री प्राची लोहकरे	डॉ. अम्बेडकर की स्त्री मुक्ति की अवधारणा और दलित स्त्री जीवन	प्रो. शंभु गुप्त

एम.फिल. 2013-14

1.	श्री साकेत बिहारी	स्त्रियों के समाजीकरण में गृह्यसूत्र की भूमिका : आश्वलायन एवं शांख्यायन गृह्यसूत्र के संदर्भ में	प्रो. शंभु गुप्त
2.	श्री विकास सिंह	आदिवासी कविताओं में अभिव्यक्त स्त्री स्वर	प्रो. शंभु गुप्त
3.	श्री जयसिंह यादव	'बाबल तेरे देस में' उपन्यास का नारीवादी अध्ययन	प्रो. शंभु गुप्त
4.	सुश्री राजलक्ष्मी	विवाह की उम्र और पुरुषवादी वर्चस्व	प्रो. वसंती रामन
5.	सुश्री नम्रता दे. पुसदकर	किशोरावस्था : एक नारीवादी अध्ययन	प्रो. वसंती रामन
6.	श्री मनोहर प्रसाद	खेल और जेंडर : भारतीय खेलों में जेंडर राजनीति का चित्रण	प्रो. वसंती रामन
7.	सुश्री कीर्ति शर्मा	बाल-यौन अपराध : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	डॉ. सुप्रिया पाठक
8.	श्री मनोज कुमार गुप्ता	महिलाओं के विरूद्ध हिंसा : एसिड अटैक के विशेष संदर्भ में	डॉ. सुप्रिया पाठक
9.	सुश्री प्रीतिमाला सिंह	हिंदी सिनेमा में सौंदर्य संरचना की राजनीति	डॉ. सुप्रिया पाठक
10.	सुश्री अंशुमाला कुमारी	घरेलू हिंसा कानून: एक समीक्षात्मक अध्ययन	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
11.	सुश्री सरिता देवी	वैश्वीकरण के दौर में सरोगेसी का नारीवादी अध्ययन (विशेष संदर्भ: लखनऊ)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला

एम.ए. परियोजना कार्य

एम.ए. 2003-05

क्र	शोधार्थियों के नाम	परियोजना कार्य/लघु शोध प्रबंध एवं शोध प्रबंध	शोध निर्देशक/निर्देशिका
1.	श्री विजय कुमार झा	दलित स्त्री का बोलना (संदर्भ ग्रंथ जेंडरिंग कास्ट – उमा चक्रवर्ती)	प्रो. इलीना सेन
2.	श्री सुधीर कुमार सिंह	एन्ड एवार्ड गोज टू..... (बदलते आर्थिक-राजनीतिक संदर्भ में फिल्म पुरस्कारों और उनकी 'प्रस्थापनाओं' पर एक दृष्टिकोण)	डॉ. उमा चक्रवर्ती
3.	सुश्री अवन्तिका शुक्ला	फिरोजाबाद का चूड़ी उद्योग एवं महिला श्रमिक	डॉ. उमा चक्रवर्ती
4.	सुश्री माधुरी रा. झखार	भारत तथा महाराष्ट्र में महिलाओं की स्थिति (भारत की जनगणना के संदर्भ में)	प्रो. इलीना सेन
5.	सुश्री रेखा यादव	महिलाएँ और मानसिक स्वास्थ्य	प्रो. इलीना सेन
6.	श्री संजीव कुमार चंदन	प्रिंट मीडिया में महिलाएँ : भागीदारी तथा प्रस्तुति	प्रो. इलीना सेन
7.	श्री सुमित सौरभ	बोध गया आन्दोलन और स्त्री प्रश्न	डॉ. उमा चक्रवर्ती
8.	सुश्री सुप्रिया पाठक	भारतीय विज्ञापनों में स्त्री चित्रण (विशेष संदर्भ : टेलीविजन)	डॉ. उमा चक्रवर्ती

एम.ए. 2004-06

1.	सुश्री रजनीगंधा धाबर्डे	महिला घरेलू कामगार संगठन की स्थापना और उनका सफर	लता प्रतिभा मधुकर
2.	सुश्री रंजना तिवारी	ब्रह्मवादिनियों का समाज को योगदान	लता प्रतिभा मधुकर

एम.ए. 2005-07

1.	सुश्री हर्षला विठ्ठल आयरे	बंद दरवाजे खोलते हुए : दलित स्त्रीवाद (महाराष्ट्र के विशेष संदर्भ में)	प्रो. वासंती दामले
2.	सुश्री विश्रांति मुंजेवार	दहेज पीडित महिलाएं : एक अध्ययन (विशेष संदर्भ : वर्धा जिला)	डॉ. शोमा सेन

एम.ए. 2007-09

1.	आकांक्षा	साम्प्रदायिक राजनीति और स्त्री अस्तित्व	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
2.	श्रुतिकीर्ति	हिन्दी टेलीविजन के कॉमेडी-शो में स्त्री चरित्र	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
3.	गुरपिंदर कुमार	ग्राम पंचायत के विकास में महिलाओं की भूमिका और कार्य	सुश्री अवन्तिका शुक्ला

4.	कल्पना लाडेकर	क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले : एक अध्ययन	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
5.	राजकुमार	हिन्दी सिनेमा में स्त्री की बदलती छवि : आलोचनात्मक अध्ययन	सुश्री सुप्रिया पाठक
6.	चरनजीत	सीमा क्षेत्र में महिला प्रश्न : गुरदासपुर जिले के विशेष संदर्भ में	सुश्री सुप्रिया पाठक
7.	आनंद गोडघाटे	निजी-सार्वजनिक विमर्श : वास्तुकला के संदर्भ में	सुश्री सुप्रिया पाठक
8.	रीता बावनथरे	बहिणाबाई चौधरी : एक अनसुनी आवाज	सुश्री सुप्रिया पाठक
एम.ए. 2008-10			
1.	सुश्री कविता रतुड़ी	अलेक्जेंद्रा कोलंताई: मार्क्सवादी नारीवाद की महान नायिका	प्रो. इलीना सेन
एम.ए. 2009-11			
1.	सुश्री कीर्ति	महिला आंदोलन, कानूनी बदलाव और राज्य की संस्थाएं	प्रो. इलीना सेन
2.	सुश्री अर्चना पाण्डेय	समाजवादी चीन में महिलाएं	प्रो. इलीना सेन
3.	सुश्री सुम्मी कुमारी	हिन्दू स्त्री की रचना में गीता प्रेस की भूमिका	डॉ. शंभु गुप्त
4.	सुश्री रेखा तिवारी	महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा तथा उनके मानवाधिकार : एक अध्ययन (विशेष संदर्भ : वर्धा शहर)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
5.	सुश्री सुषमा पाण्डेय	अवधी लोकगीत- व्यवस्था का स्वीकार या अस्वीकार : एक नारीवादी शोध प्रविधि	सुश्री सुप्रिया पाठक
6.	श्री जितेन्द्र कुमार	घरेलू कामगार महिलाएं (इलाहाबाद शहर के संदर्भ में)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
एम.ए. 2011-13			
1.	सुश्री अंशुमाला राय	जाति, वर्ग एवं जेण्डर के अंतरसंबंध : 'शिकंजे का दर्द' और 'कस्तूरी कुण्डल बसै' के आधार पर	सुश्री सुप्रिया पाठक
2.	सुश्री राजलक्ष्मी	हाशिए की महिलाएं, राज्य और यौनिक हिंसा (सोनी सोरी के विशेष संदर्भ में)	सुश्री सुप्रिया पाठक
3.	सुश्री प्रीतिमाला	भारतीय 'समानांतर सिनेमा' की स्त्री-निर्देशित फिल्में और स्त्री-छवि का रूपायन (विशेष संदर्भ: दीपा मेहता और अपर्णा सेन)	सुश्री सुप्रिया पाठक
4.	सुश्री संतोष पाण्डेय	धारावाहिकों में स्त्री चित्रण	सुश्री सुप्रिया पाठक
एम.ए. 2012-14			
1.	सुश्री शिल्पा भगत	वृद्ध महिलाओं का सामाजिक मनोविश्लेषण (विशेष संदर्भ – वर्धा)	डॉ. सुप्रिया पाठक
2.	सुश्री रेखा टाके	कुटीर उद्योग एवं महिला श्रम (विशेष संदर्भ: वर्धा)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला
3.	श्री श्याम प्रकाश	औपनिवेशिक काल में महिलाएं और विस्थापन (विशेष संदर्भ - अफ़ीम सागर)	डॉ. सुप्रिया पाठक
4.	सुश्री शबाना खातून	मुस्लिम समुदाय द्वारा संचालित मदरसा शिक्षा व्यवस्था और स्त्री (विशेष संदर्भ: बनारस सरैया वार्ड)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला

पी.जी. डिप्लोमा परियोजना कार्य

पी.जी.डिप्लोमा 2010-11

1.	सुश्री रेणु कुमारी	मिथिला पेंटिंग में स्त्री के विविध रूप	अवन्तिका शुक्ला
2.	सुश्री मंजु मौर्या	लखनऊ शहर में 'बाल श्रम' एवं बाल श्रमिक लड़कियों की प्रस्थिति	शरद जायसवाल
3.	सुश्री निङ्थौजम प्रियोबती देवी	'इमा कैथेल' और मणिपुरी महिलाएँ	सुप्रिया पाठक

पी.जी.डिप्लोमा 2011-12

1.	सुश्री ज्योति देवी	हमीरपुर जिले में स्थित 'लोगड़िया' समूह में स्त्रियों की पारिवारिक और सामाजिक स्थिति	डॉ. शंभु गुप्त
2.	सुश्री तेजी ईशा	सांप्रदायिक दंगे और नारी	डॉ. शंभु गुप्त
3.	सुश्री विजयलक्ष्मी सिंह	रेशमी साड़ी उद्योग में महिला श्रम (विशेष संदर्भ: उत्तर प्रदेश का मऊ जिला)	अवन्तिका शुक्ला
4.	मुहम्मद शोएब	मलिन बस्तियों में रहने वाली महिलाओं का परिवार कल्याण उपायों के प्रति जागरूकता का अध्ययन	डॉ. शंभु गुप्त
5.	श्री अमोल कुकडे	महाराष्ट्र के ग्राम वरूड में किशोरियों के विकास के लिए आंगनबाड़ी में चल रही किशोरी शक्ति योजना का मूल्यांकन	शरद जायसवाल

पी.जी.डिप्लोमा 2012-13			
1.	सुश्री कल्पना वानखेडे	विज्ञापन और महिलाएं (वर्धा शहर में लगे होर्डिंग के संदर्भ में)	सुश्री सुप्रिया पाठक
2.	सुश्री स्नेहलता नगराले	आंगनबाड़ी में चल रही ग्रामीण किशोरी शक्ति योजना का मूल्यांकन (संदर्भ: सिंदी मेघे)	सुश्री सुप्रिया पाठक

पी.जी.डिप्लोमा 2013-14			
1.	सुश्री शोभा बिसेन	महिलाओं के विरूद्ध हिंसा और अखबारी रुख (विशेष संदर्भ: हिन्दी 'लोकमत समाचार' और मराठी 'लोकमत')	डॉ. सुप्रिया पाठक
2.	श्री बलराम राम	मीडिया के आईने में स्त्री विमर्श: एक अध्ययन	डॉ. सुप्रिया पाठक
3.	हुस्न तबस्सुम	मुस्लिम समाज में परिवार नियोजन संबंधी अवधारणा : एक स्त्रीवादी अध्ययन (जनपद बहराइच की मुस्लिम महिलाओं के संबंध में)	सुश्री अवन्तिका शुक्ला

संकाय सदस्यों द्वारा की जाने वाली परियोजनाएं

संकाय सदस्य के परियोजना कार्य	अनुदान दायी संस्था	कुल राशि	शीर्षक
सुप्रिया पाठक (2012-13)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	रुपये 65990/-	पारसी-हिंदी रंगमचं एवं महिलाएं
सुप्रिया पाठक (2014)	म.गा.अ.हि.वि.	रुपये 45000/-	शिक्षा जेंडर एवं राष्ट्रीय नीतियाँ : एक नारीवादी अध्ययन
अवन्तिका शुक्ला (2014)	म.गा.अ.हि.वि.	रुपये 45000/-	परिवार की बदलती अवधारणा और नौकरीशुदा एकल गृहस्थ (विवाहित) महिलाएं : एक जेंडरगत अध्ययन

विभाग में प्रविष्ट छात्रों की रूपरेखा

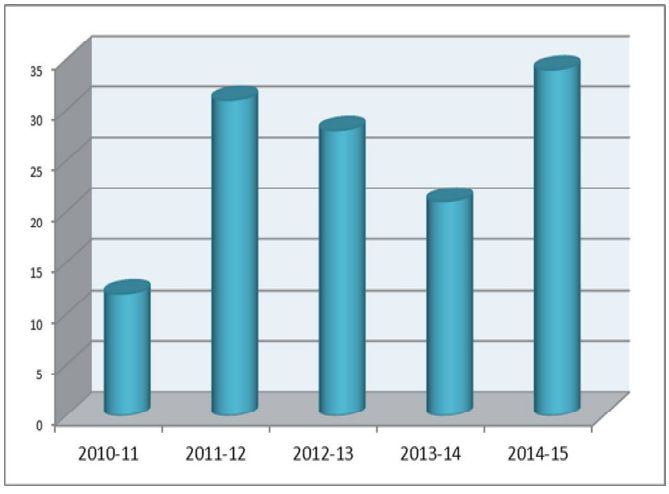

सत्रानु

प्रविष्ट विद्यार्थियों की सांस्कृतिक-भौगोलिक पृष्ठभूमि

सार प्रविष्ट कुल विद्यार्थियों की संख्या

विभिन्न संस्थाओं के साथ संयोजन, अनुबंध एवं सहयोग

एम.एस.स्वामीनाथन फाउंडेशन, मद्रास
सेंटर फॉर वीमेंस डेवेलेपमेंट स्टडीज, नई दिल्ली
भारतीय स्त्री अध्ययन संघ, नई दिल्ली
भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, इलाहाबाद
निरंतर, नई दिल्ली
समां, नई दिल्ली
एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय, पुणे
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सांइसेज, मुंबई
जागोरी, नई दिल्ली
सहेली, नई दिल्ली
पीपुल्स फॉर लॉ एण्ड डेवेलपमेंट, नई दिल्ली
सीएसडीएस, नई दिल्ली

शोध के प्राथमिकता क्षेत्र (थ्रस्ट एरिया)

महिला-अपराध
मानव-दुर्व्यापार
भाषा और जेंडर
मध्य भारत में विस्थापन
सांस्कृतिक संकट (जेंडर के संदर्भ में)
श्रम, अर्थव्यवस्था एवं जेंडर
साहित्य एवं जेंडर

सुविधाएं

विभागीय पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर लैब

स्त्री अध्ययन में विभागीय पुस्तकालय आरम्भ हुआ है। अब तक स्त्री अध्ययन विभाग के पुस्तकालय में कुल 6000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। द्वितीय चरण की पुस्तक सूची केन्द्रीय पुस्तकालय को भेजी जा रही है। विभागीय पुस्तकालय में विद्यार्थियों/शोधार्थियों को निम्नानुसार सुविधाएं उपलब्ध है-

- ❑ वाचनालय
- ❑ कम्प्यूटर
- ❑ ई-बुक्स
- ❑ न्यूज पेपर
- ❑ पत्र-पत्रिकाएं

अन्य सुविधाएं

शोधार्थी कक्ष
विद्यार्थी कॉमन रूम
केंद्रीय पुस्तकालय
प्रोजेक्टर और मीडिया लैब
इंटरनेट के साथ कंप्यूटर सुविधाएं
शिशु विहार

भावी योजनाएँ

प्रस्तावित पाठ्यक्रम	1. जनसंचार एवं स्त्री में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एक वर्षीय) 2. समाज कार्य एवं स्त्री में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एक वर्षीय) 3. देशज संस्कृति, भाषा एवं जेंडर में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एक वर्षीय)
प्रस्तावित परियोजनाएं	1. मध्य भारत में महिला सरपंचों एवं अन्य राजनीतिक क्षेत्रों में महिला प्रतिनिधियों की स्थिति का सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन 2. मध्य भारत में स्त्री अधिकृत गृहस्थ प्रतिनिधियों का अध्ययन 3. मध्य भारत की महिला प्रवासियों का मौखिक इतिहास
प्रकाशनाधीन सामग्री	1. विभागीय शोध पत्रिका 'स्त्री दर्पण' का प्रकाशन 2. 14 खंडों में स्त्री अध्ययन के आधार ग्रंथ का प्रकाशन 3. स्त्री अध्ययन संबंधी शब्दावली कोश का प्रकाशन

रोजगार प्राप्त पुरा-छात्र

नाम	नियोक्ता संस्था
संजीव चन्दन	**संपादक,** 'स्त्री-काल' शोध पत्रिका
डॉ. सुमित सौरभ	**सहायक प्रोफेसर,** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा
डॉ. सर्वेश पांडे	**शोध सहायक,** राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली
डॉ. विजय झा	**शोध सहायक,** सेंटर फॉर वीमेंस डेवेलेपमेंट स्टडीज, नई दिल्ली
डॉ. ममता सिंह	**सहायक प्रोफेसर,** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा
डॉ. विश्रांति मुंजेवार	**सहायक प्रोफेसर,** नॉर्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव, (महाराष्ट्र)
डॉ. विवेक कुमार जायसवाल	**सहायक प्रोफेसर,** डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)
देवाशीष प्रसून	**विशेष संवाददाता,** दैनिक भास्कर ग्रुप, नई दिल्ली
अपर्णा दीक्षित	**शोध सहायक,** जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
ऋचा सिंह	**शोध सहायक,** इलाहाबाद विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश

कैंपस लाइफ